हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

फार्मासिस्ट लाइसेंस नवीनीकरण की फीस बढ़ाए जाने पर सरकार को नोटिस जारी

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने राज्य में फार्मासिस्ट के लाइसेंस नवीनीकरण की फीस बढ़ाए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सरकार सहित अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने राज्य सरकार व फार्मेसी काउंसिल को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के कहा है। चार सप्ताह का समय दिया गया। विजयनगर जबलपुर निवासी फार्मासिस्ट संजय चंद्रेश जैन की ओर से याचिका दायर की गई है।तर्क दिया गया कि मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल द्वारा गत 31 दिसंबर को अप्रत्याशित रूप से फार्मासिस्ट लाइसेंस नवीनीकरण की फीस 500 रु से बढ़ाकर ढाई हजार रुपए प्रति वर्ष कर दी गई। लेट फीस भी 100 रु से बढ़ा कर 2000 रु प्रति वर्ष कर दिया गया। तर्क दिया गया कि बढ़ाई गई फीस न्याय संगत नहीं है। प्रारंभिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने अनावेदकों को नोटिस जारी किए।

आवारा श्वानों को लेकर दायर जनहित याचिका ली वापस

जबलपुर। आवारा श्वानों को लेकर दायर जनहित याचिका मप्र हाईकोर्ट से वापस ले ली गई है।हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। शीर्ष अदालत ने कुछ दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। कुछ अन्य राज्यों से मामले ट्रांसफर हुए हैं। ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए। इस पर जनहित याचिका वापस ले ली गई। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, जबलपुर के अध्यक्ष डा. पीजी नाजपांडे की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश का जबलपुर सहित अन्य जिलों में समुचित पालन नहीं हो रहा है। इस वजह से लोग परेशान हो रहे हैं। सार्वजनिक स्थलों पर कुत्तों का आतंक है। उनके काटने पर रेबीज का इंजेक्शन लगवाने की मशक्कत सामने होती है। डॉ नाजपांडे का कहना है कि इस मामले में जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दायर करेंगे।

80 वर्ष पुराने किरायेदार को दुकान खाली करने का आदेश

जबलपुर। नवम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड, जबलपुर डीपी सूत्रकार की अदालत ने 80 वर्ष पुराने किरायेदार को दुकान खाली करने का आदेश दिया है। दरअसल, दुकान मालिक जबलपुर निवासी सुभाषचंद्र के पिता फूलचंद्र ने रमेश कुमार के परिवार को किराये पर दी थी। इस दुकान का तीन हजार रुपये मासिक किराया था। अदालत ने पाया कि किराया मासिक रूप से भुगतान नहीं किया गया। इसके अलावा उस दुकान की आवश्यकता दुकान मालिक की बहन को है, जिसमें वह आर्टिफिशियल ज्वेलरी का व्यापार करना चाहती है। अदालत ने अपने आदेश में साफ किया कि यह दुकान मालिक का अधिकार है कि उसके परिवार को व्यवसाय के लिए उसके स्वामित्व वाली दुकान मिले। आवेदक पक्ष की ओर से अधिवक्ता सुशील अग्रवाल ने पक्ष रखा।

मुख्य आरोपी एसडीओपी पूजा पांडे के बहनोई वीरेंद्र दीक्षित को मिली जमानत

सिवनी हवाला लूट कांड : मोबाइल से चैट्स की ठोस रिकवरी नहीं

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति डीएन मिश्रा की एकलपीठ ने 2.97 करोड़ रुपये सिवनी हवाला लूट कांड के आरोपित वीरेंद्र दीक्षित की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। आरोपित इस मामले की मुख्य आरोपित तत्कालीन एसडीओपी पूजा पांडे का बहनोई है। अभियोजन पक्ष का दावा था कि घटना के समय वीरेंद्र ने पूजा पांडे के साथ कई बार फोन पर बातचीत की व वाट्सएप संदेशों के माध्यम से उन्हें अपराध करने के लिए उकसाया। इन संदेशों को अपराध में सहभागिता का प्रमाण बताया गया था और वीरेंद्र को को गिरफ्तार किया गया था। आवेदक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त, सुशील कुमार तिवारी, असीम त्रिवेदी व अनिल गौतम ने दलील दी कि आरोपों का आधार मुख्यतः काल डिटेल रिकार्ड और वाट्सएप चैट हैं, लेकिन आरोपित के मोबाइल से इन चैट्स की कोई ठोस रिकवरी नहीं हुई है। आरोपित और मुख्य आरोपित पूजा पांडे के बीच संपर्क घनिष्ठ रिश्तेदारी के कारण स्वाभाविक था, क्योंकि उस समय पूजा पांडे का बीमार पुत्र व सास वीरेंद्र के घर पर ही थे। आरोपित ने जांच में सहयोग किया व प्रथम पूछताछ के समय उसे गिरफ्तार नहीं किया गया था। चार्जशीट पहले ही दायर की जा चुकी है और मुकदमे का निर्णय होने में पर्याप्त समय लगेगा। आरोपित घटनास्थल पर उपस्थित नहीं था और राशि की बरामदगी मुख्य आरोपित के कार्यालय से हुई है।

क्या था मामला

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर, 2025 में सिवनी के लखनवाड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक कार से लगभग तीन करोड़ रुपये की अवैध हवाला राशि जब्त होने का दावा किया था। हालांकि, बाद में यह मामला पुलिस की साजिश के रूप में उभरा जब आरोप लगा कि पुलिस टीम ने जब्त राशि का एक बड़ा हिस्सा लगभग 1.5 करोड़ रुपये स्वयं हड़प लिया। इस घटना में तत्कालीन एसडीओपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया।

निगम अधिकारियों की आपसी समन्वय से बढ़ेगी समाधान की गति

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को 100 प्रतिशत निराकरण करना हमारा लक्ष्य : निगमायुक्त

जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने निगम के विभिन्न विभागों में लंबित सी.एम. हेल्पलाइन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना और हेल्पलाइन के प्रकरणों का 100 प्रतिशत निराकरण करना ही निगम का मुख्य लक्ष्य है। निगमायुक्त ने समय-सीमा का ध्यान रखने पर जोर देते हुए कहा कि 10 फरवरी तक जिन प्रकरणों पर संतोषजनक निराकरण की कार्यवाही नहीं की जाएगी, उनके संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में निगमायुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि आवेदनों पर त्वरित निराकरण के लिए विभागों के बीच बेहतर तालमेल होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की आपसी समन्वय और टीम वर्क से ही समाधान की गति बढ़ेगी। कई बार एक शिकायत कई विभागों से जुड़ी होती है, ऐसे में आपसी संवाद से फाइल को जल्दी क्लियर किया जा सकता है। निगमायुक्त ने विशेष रूप से लोककर्म, स्वास्थ्य, भवन, कॉलोनी सेल, जल, फायर, स्थापना, राजस्व विभागों के प्रमुखों को लंबित प्रकरणों की सूची तैयार कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर बंद करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने आगामी तीन दिनों के भीतर सभी प्रकरणों का 100 प्रतिशत पूर्ण निराकरण करने का टारगेट दिया। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने 10 फरवरी तक सभी लंबित शिकायतों को बंद करने के निर्देश दिये। उन्होंने शिकायतों को बेवजह दूसरे विभागों में ट्रांसफर करने या टालमटोल करने वाले कर्मचारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी है, ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे।

बरगी बांध की नहर टूटने पर आयोग ने जनहित में लिया संज्ञान

जबलपुर। जिले के बरगी बांध की नहर गत दिनों टूटने के कारण क्षेत्र के ग्राम सागदा में लाखों गैलन पानी भर गया और पानी खेतो तक पहुंच गया। जिस कारण किसानों की कृषि भूमि पर खड़ी फसलें पूरी तरह खराब और बर्बाद हो गई। इस तबाही से किसानों को बड़ी मात्रा में आर्थिक नुकसान भी हुआ है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले में मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के मुख्यालय भोपाल में जनहित में संज्ञान लिया गया। उप संचालक जनसंपर्क केके जोशी के अनुसार अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ ने मामले में सुनवाई कर मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के कलेक्टर से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

कर्मचारी संघ द्वारा शक्ति संतुलन बनाने की कोशिश

रादुविवि में कुलगुरु विरोधी खेमे पर तबादले की गाज!

हरिभूमि जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में एक बार फिर लिपिकीय वर्ग में हुए तबादलों ने प्रशासनिक गलियारों से लेकर कर्मचारी संघ की राजनीति तक हलचल पैदा कर दी है। कुलगुरु प्रोफेसर राजेश वर्मा के निर्देश पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी सूची में 6 कर्मचारियों के विभाग बदले गए हैं, लेकिन इस फेरबदल को लेकर महज़ प्रशासनिक कारणों से नहीं बल्की राजनीतिक नजरों से भी देखा जा रहा है।

दरअसल कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश पुरोहित को लेखा विभाग से हटाकर मुख्य प्रशासनिक भवन से बाहर विधि विभाग में पदस्थ किया गया है। यह तबादला विश्वविद्यालय में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है। कर्मचारी वर्ग के बीच इसे कर्मचारी संघ के अंदरूनी शक्ति संतुलन से जोड़कर देखा जा रहा है।

विश्वविद्यालय के गलियारों में यह धारणा जोर पकड़ रही है कि कुलगुरु प्रोफेसर राजेश वर्मा व संघ अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल के विरोधी माने जाने वाले कुछ पदाधिकारियों और नेताओं पर क्रमशः कार्रवाई या तबादले की गाज गिर रही है। सूत्रों का कहना है कि इससे पहले भी विरोधी खेमे से जुड़े दो कर्मचारी नेताओं के विभाग बदले जा चुके हैं। अब यह चर्चा भी चल रही है कि आने वाले दिनों में और नाम इस सूची में शामिल हो सकते हैं, खासकर वे कर्मचारी जो वर्तमान नेतृत्व के खिलाफ खुलकर आवाज उठाते रहे हैं। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से तबादलों को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया बताया जा रहा है, लेकिन कर्मचारियों के बीच इसे लेकर अलग-अलग व्याख्याएं सामने आ रही हैं। कई लोग इसे कामकाज में दक्षता लाने के उद्देश्य से उठाया गया कदम मान रहे हैं, तो कुछ इसे कर्मचारी राजनीति से प्रेरित निर्णय के रूप में देख रहे हैं।

इन कर्मचारियों के हुए तबादले

प्रशासनिक आदेश के तहत, भारती वर्मा को विकास विभाग से स्थापना विभाग भेजा गया है। कमलेश्वरी ठाकुर को ग्रंथालय से लेखा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। गणेश चतुर्वेदी को गोपनीय विभाग से ऑनलाइन सेंटर स्थानांतरित किया गया है। शुभम कठौता को एससी-एसटी सेल से डिग्री सेल में पदस्थ किया गया है। डॉ. भूपेंद्र उपाध्याय को कुलगुरु कार्यालय एवं पुनर्मूल्यांकन प्रकोष्ठ में सेवाएं देने का दायित्व सौंपा गया है।

तबादलों के मायने

विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक फेरबदल कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब ऐसे निर्णय कर्मचारी संगठनों की आंतरिक राजनीति के साथ जोड़कर देखे जाने लगें तो सवाल उठना स्वाभाविक है। फिलहाल यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रशासन इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया देता है और क्या आने वाले समय में और तबादले इस बहस को और हवा देंगे।

निगम अधिकारियों और बैंकर्स के साथ की समीक्षा बैठक

शासन से प्राप्त लक्ष्य को प्राप्त करने निगमायुक्त के प्रयास तेज

हरिभूमि जबलपुर।

शासन के द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप नगर निगम द्वारा छोटे कारोबारियों को संबल प्रदान करने के उद्देश्य से जबलपुर नगर निगम द्वारा 'पी.एम. स्वनिधि दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस विशेष अवसर पर निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने के लिए अपनी सक्रियता बढ़ा दी है और पी.एम. स्वनिधि के हितग्राहियों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लगातार निगम अधिकारियों और बैंकर्स के साथ समीक्षा भी कर रहे हैं। निगमायुक्त स्वयं हितग्राहियों को लाभ दिलाने बैंकों में पी.एम. स्वनिधि के नोडल अधिकारी एवं उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन के साथ पहुंचे, जहाँ पर सभी बैंकर्स से अनुरोध किया कि शासन की योजनाओं को सफलता प्रदान करने अधिक से अधिक पी.एम. स्वनिधि योजना के हितग्राहियों के ऋण स्वीकृत कर लोन उपलब्ध कराएं।

नगर निगम मुख्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त ने निगम अधिकारियों और विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। उन्होंने चर्चा के दौरान सरकार की पवित्र मंशा से अवगत कराते हुए कहा कि नगर निगम जबलपुर दिन शनिवार को पी.एम. स्वनिधि दिवस मना रहा है। इस उपलक्ष्य में आप सभी से आग्रह है कि कम से कम पी.एम. स्वनिधि के 40-40 प्रकरण स्वीकृत करें और हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराएं। बैंकों के निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने सभी बैंकर्स से अनुरोध करते हुए कहा कि पीएम स्वनिधि योजना का काम सामाजिक सरोकार से संबंधित है इसलिए आज शनिवार को विशेष दिवस मानते हुए बैंकों में विचाराधीन जितने भी प्रकरण है उन सभी प्रकरणों पर स्वीकृति प्रदान कर हितग्राहियों को लाभांवित करें। जिसपर सभी बैंकर्स ने सहमति प्रदान करते हुए निगमायुक्त को आश्वस्त किया कि बैंकों की ओर से निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 100 प्रतिशत पी.एम. स्वनिधि के केस निराकृत किये जायेगें। इस अवसर पर एल.डी.एम. दिवाकर सिंह के साथ सिटी मिशन मैनेजर, सामुदायिक संगठक एवं शहरी क्षेत्र के सभी बैंकों के प्रतिनिधिगण आदि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय बजट में नहीं दिखा महाकौशल का माहौल : तन्खा

धर्म को राजनीति का अखाड़ा नहीं बनाना चाहिएः सांसद

जबलपुर। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने अपने जबलपुर नगर प्रवास के दौरान पत्रकारों से हुई अनौपचारिक चर्चा में जहां केन्द्र सरकार के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया दी तो वहीं एसआईआर के मामले को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शीर्ष अदालत में अपने पक्ष को रखने की सराहना भी की। श्री तन्खा ने चर्चा में माघ स्नान के दौरान प्रयागराज में शंकराचार्य के साथ हुए विवाद पर व हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ हुए मानहानि मामले में भी अपनी बात रखी। केन्द्र के बजट को सामान्य बताते हुए राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि इस बजट में रोजगार के लिए कुछ नहीं है। विशेष तौर पर युवाओं के लिए कोई प्रावधान नहीं रखा गया। उन्होंने इस दौरान कहा कि केन्द्र के बजट में जबलपुर और महाकौशल का कोई माहौल नहीं दिखा। कुल मिलाकर यह बजट नीरस है। एसआईआर पर बात करते हुए श्री तन्खा ने कहा कि इस मामले को लेकर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने जिस तरह सुप्रीमकोर्ट में अपनी बात रखी वह ऐतिहासिक रही। उन्होंने कहा कि ममता जी जमीनी नेता हैं और इस बार पुनः चुनाव में बहुमत हासिल करेंगी। शंकराचार्य के साथ हुए विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद तन्खा ने कहा कि शंकराचार्य जी या किसी भी धर्मगुरु के साथ इस तरह का व्यवहार अशोभनीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गंगा माँ सबकी हैं और शंकराचार्य जी को रोकना पूरी तरह गलत था। श्री तन्खा ने नसीहत देते हुए कहा कि धर्म को कभी भी राजनीति का अखाड़ा नहीं बनाना चाहिए और धार्मिक आस्थाओं का सम्मान सर्वोपरि है। उक्त मुद्दों के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ हुए मानहानि मामले में उन्होंने स्पष्ट किया कि अपना मुकदमा वे वापस ले चुके हैं और इसके साथ ही लंबे समय से चल रहे इस कानूनी विवाद का अब पटाक्षेप हो चुका है। श्री तन्खा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आग्रह और शिवराज सिंह चौहान के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को देखते हुए उन्होंने यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा, शिवराज जी से मेरे संबंध मित्र जैसे हैं। मेरा मानना है कि किसी भी विवाद या बात का एक सुखद अंत होना चाहिए। तन्खा ने यह भी साझा किया कि संसद में उनकी शिवराज सिंह चौहान से सौहार्दपूर्ण मुलाकात हुई थी, जिसके बाद सकारात्मक चर्चा हुई और उन्होंने मुकदमा वापस लेने का निर्णय लिया।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने विपक्ष पर निशाना साधा

कांग्रेस जुमलेबाजी और भ्रम फैलाने में माहिर

जबलपुर। भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने यहां कहा कि केंद्रीय बजट 2047 के विजन की दूरदृष्टि के साथ तैयार किया गया है। इसमें सभी वर्गों के लिए प्रावधान किया गया। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही युवा मोर्चा की टीम का गठन किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस अस्तित्वहीन हो चुकी है उसके पास सिर्फ जुमलेबाजी करना और भ्रम फैलाने के अलावा कोई काम नहीं बचा है। अपने जबलपुर प्रवास के दौरान श्री टेलर यहां पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। एक निजी होटल में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस स्थिगित होने के बाद जब पीएम श्री कॉलेज में युवा संवाद कार्यक्रम के बाद वे बाहर निकले तो उन्होंने अनौपचारिक चर्चा की।

श्री टेलर ने कहा कि बजट पर युवा संवाद के लिए के साथ-साथ संगठनात्मक लिहाज से यह उनका पहला जबलपुर प्रवास बना। उन्होंने कहा कि युवाओं से संवाद के दौरान स्पष्ट नजर आया कि मोदी सरकार की नीतियों को लेकर युवा उत्साहित हैं और स्वरोजगार की दिशा में युवा अपने कदम आगे बढ़ा रहा हैं। टेलर ने आगे कहा कि केन्द्रीय वितमंत्री ने 2047 के विजन डाक्यूमेंट को ध्यान में रखा है । बजट में युवाओं की ऊर्जा का बेहतर उपयोग कर उनके जीवन परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करने पर काम किया गया है। टेलर ने आगे कहा कि युवाओं को लेकर कांग्रेस सिर्फ बाते करती है जबकि भाजपा युवाओं के उत्थान के लिए न केवल काम कर रही, बल्कि उसके नतीजे भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ झूठे वादे करती है और भाजपा काम करके दिखाती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर युवा तुर्क नितिन नवीन का निर्वाचन इसका ताजा उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो मैदानी कार्यकर्ताओं को शीर्ष पदों पर पहुंचाने का काम करती है। युवाओं को मैदान में उतारकर अलग-अलग स्तरों पर नेतृत्व देने का काम सिर्फ भाजपा ही करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कुछ बचा नही है, आरोप लगाना, भ्रम फैलाना, देश के मानबिदुओं पर सवाल उठाने के अलावा कांग्रेस के पास कुछ काम नहीं है। कांग्रेस अपना काम कर रही है हम अपना काम कर रहे हैं। भाजयुमो कार्यकारिणी को लेकर उन्होंने कहा कि हम जल्दी टीम तैयार करेंगे। इस अवसर पर युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, जय रोहणी, आशीष काटकर, ईशान नायक, रौनक अग्रवाल, आयुष सिंह, अंकित पाठक, रोहन वैद्य, राहुल सिंह पटेल, सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवा संवाद में भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर बोले

पीएम मोदी की नीतियां भविष्य के लिहाज से सकारात्मक

जबलपुर। पूरे विश्व में चर्चा के केंद्र में रहने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दूरदृष्टि रखते हैं। उनकी नीतियां भविष्य के लिहाज से सकारात्मक हैं। वे जो भी करते हैं, उससे देश का दूरगामी फायदा होता है। मोदी सरकार का बजट भी इसी दिशा की ओर गया है। यह बजट राष्ट्र को दिशा देने वाला है। अब देश का युवा रोजगार मांगने वाला नहीं देने वाला बन रहा है। इस आशय के विचार भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने व्यक्त किए। वे महाकोशल कॉलेज में बजट पर युवा संवाद चर्चा में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। युवाओं से संवाद में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इस बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा है।

जबलपुर आगमन पर युवा साथियों द्वारा एयर पोर्ट से लेकर रादुविवि तक बहुत आत्मीय ढंग से स्वागत किया गया। एयरपोर्ट से रादुविवि तक उनके सम्मान में स्वागत रैली निकाली गई। टेलर ने यहां रानी दुर्गावती की प्रतिमा और शहीद रघुनाथ शाह शंकर शाह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। रानी दुर्गावती के जीवन चरित्र पर आधारित नाटिका भी उन्होंने देखी। जबलपुर में आज उनके कई कार्यक्रम हैं। महाकोशल कॉलेज से वे रानीताल तक स्वागत रैली के साथ पहुंचे जहां टेलर ने संभागीय कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। रात्रि विश्राम के बाद रविवार की सुबह वे कटनी प्रस्थित होंगे।

आपत्तिजनक शीर्षक के विरुद्ध ब्राह्मण महासभा ने कानूनी मोर्चा खोला

जबलपुर। मध्यप्रदेश प्रगतिशील ब्राह्मण महासभा ने ओटीटी प्लेटफार्म नेटफिलक्स पर प्रस्तावित फिल्म "घूसखोर पंडत" के अपमानजनक शीर्षक और उसके माध्यम से ब्राह्मण समुदाय की छवि धूमिल करने के प्रयासों की कड़े शब्दों में निंदा की है। महासभा ने स्पष्ट किया कि फिल्म के निर्माताओं द्वारा प्रोमो हटा लेना मात्र एक छलावा है, जब तक फिल्म का शीर्षक पूर्णतः नहीं बदला जाता, समाज का संघर्ष जारी रहेगा। महासभा के सह संयोजक असीम त्रिवेदी ने कहा कि पंडत शब्द ज्ञान, त्याग और सात्विकता का प्रतीक है, इसे घूसखोर जैसे शब्द के साथ जोड़ना न केवल एक समुदाय का अपमान है, बल्कि यह सनातन संस्कृति पर भी प्रहार है। महासभा समाज के सभी वर्गों और संगठनों से अपील करती है कि इस वैचारिक और सांस्कृतिक मर्यादा की लड़ाई में एकजुट हों। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी भी समाज की प्रतिष्ठा से खिलवाड़ करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती।

खबर संक्षेप

कतिया समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज

जबलपुर। कतिया समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज रविवार को दद्दा परिसर, मदन महल में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में समाज के सैकड़ों युवक-युवतियों के साथ उनके परिजन भी शामिल होंगे। परिचय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर शनिवार शाम सामाजिक जनों की उपस्थिति में दद्दा परिसर से रानीताल चौक तक कलश यात्रा निकाली गई। इसी क्रम में शाम 6 बजे भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कतिया समाज निस्वार्थ सेवा समिति द्वारा जबलपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों एवं राज्यों में निवास करने वाले समस्त सजातीय बंधुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है।

सुधीर नौगरहिया गहोई महाकौशल क्षेत्रीय सभा के निर्विरोध मंत्री निर्वाचित

सिहोरा। गहोई वैश्य पंचायत सिहोरा के सुधीर कुमार नौगरहिया को महाकौशल क्षेत्रीय सभा का मंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। उनके मंत्री चुने जाने पर गहोई वैश्य समाज में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर गहोई वैश्य पंचायत के अध्यक्ष दिनेश कुमार बड़ेरिया सहित अनिल कनकने, राकेश नगरिया, हरि प्रकाश नौगरहिया, राजा मोर ने शुभकामनाएं दीं। साथ ही महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती रीता नौगरहिया, चंदा नौगरहिया, ममता गुप्ता, मोनिका नौगरहिया, सुनीता कनकने, प्रियंका बिलैया, सारिका नौगरहिया सहित समाजजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्वल कार्यकाल की कामना की।

पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक आज सिहोरा में

सिहोरा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक आज रविवार को दोपहर 2 बजे शिव मंदिर, बाबाताल में आयोजित की गई है। बैठक में 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता सहित अन्य लंबित मांगों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। तहसील शाखा सिहोरा के अध्यक्ष गंगाराम गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष विनोद कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष जी.डी. सुहाने सहित पदाधिकारियों ने मंझगवां, गोसलपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के पेंशनर्स से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

जेएनकेव्हीव्ही में जलवायु सहनशील उच्च उपजशील धान परियोजना की हुई समीक्षा

आईआरआरआई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जौहर अली सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक व परियोजना से जुडे कर्मचारी बैठक में हुए शामिल

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जेएनकेव्हीव्ही), जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में कृषि महाविद्यालय में "मध्यप्रदेश के लिए जलवायु सहनशील एवं जैव-संवर्धित उच्च उपजशील धान किस्मों के विकास" परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई), फिलीपींस से आए प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी डॉ. जौहर अली ने परियोजना की प्रगति, अब तक की उपलब्धियों एवं आगामी शोध योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर डॉ. जी. के. कौतू, संचालक अनुसंधान सेवाएं, सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं परियोजना से जुड़े सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः क्षेत्र भ्रमण किया गया, जिसमें आईआरआरआई की पेरेंटल लाइनों का मूल्यांकन, डीएसआर प्रणाली के लिए उपयुक्त धान लाइनों का परीक्षण, डीएसआर एग्रोनॉमी तथा दो-लाइन हाइब्रिड धान बीज उत्पादकता परीक्षण का अवलोकन किया गया। तकनीकी सत्रों में डीएसआर ब्रीडिंग, दो-लाइन हाइब्रिड धान प्रणाली, अनाज गुणवत्ता विश्लेषण, स्पीड ब्रीडिंग, एसएनपी जीनोटाइपिंग, रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस घटक तथा सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण पर प्रस्तुतियां दी गईं। बैठक का उद्देश्य मध्यप्रदेश में जलवायु अनुकूल एवं टिकाऊ धान उत्पादन को बढ़ावा देना रहा, जिसे सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

सेंट मेरी स्कूल के छात्रों ने अंतरिक्ष अन्वेषण की दुनिया को जाना

जबलपुर। सेंट मेरी हायर सेकण्डरी स्कूल वीएफजे जबलपुर में इसरो की वैज्ञानिक एवं इंजीनियर अर्निका वर्मा के साथ एक प्रेरणादायक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान क्षेत्र में अपनी अविस्मरणीय यात्रा और उपलब्धियों को साझा किया, जिसमें चंद्रयान-3 में उनका योगदान भी शामिल है। छात्र उनके साथ अंतरिक्ष की दुनिया को जानने के लिए उत्साहित थे। उन्होंने छात्रों को समर्पण और कड़ी मेहनत से अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। यह सत्र छात्रों के लिए एक शानदार अनुभव रहा, क्योंकि उन्हें एक विशेषज्ञ से अंतरिक्ष अन्वेषण की आकर्षक दुनिया के बारे में जानने का मौका मिला। अर्निका वर्मा के अनुभवों और अंतरदृष्टि ने छात्रों को प्रेरित और उत्साहित किया, जिससे वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्सुक हो गए। संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र एक मुख आकर्षण था, जिसमें छात्रों ने इसरो के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 और इस सफल मिशन पर काम करने के उनके अनुभव के बारे में ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे। यह सत्र छात्रों को प्रेरित करता हुआ बड़े सपनों की उड़ान देने की सफलता के साथ संपन्न हुआ।

होमगार्ड प्रशिक्षण संस्थान में दीक्षांत परेड समारोह संपन्न

जबलपुर। केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान होमगार्ड्स, मंगेली, जबलपुर में 06 फरवरी 2026 को 14वें अनुकम्पा भौतिक एवं आरक्षक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का दीक्षांत परेड समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मनीष कुमार अग्रवाल, उप पुलिस महानिरीक्षक, होमगार्ड्स एवं आपदा प्रबंधन मप्र रहे। इस अवसर पर महिला एवं पुरुष प्रशिक्षुओं द्वारा अनुशासित एवं आकर्षक परेड प्रस्तुत की गई तथा मुख्य अतिथि को मार्चपास्ट के माध्यम से सलामी दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा नवप्रशिक्षित जवानों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं सेवा भावना की शपथ दिलाई गई। समारोह में होमगार्ड्स के विभिन्न प्लाटूनों ने आधुनिक एवं पारंपरिक उपकरणों के साथ परेड का प्रदर्शन किया। परेड कमांडर वर्षा दीवानी एवं डिप्टी परेड कमांडर योगेश्वरी मेहर रहीं। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान 6वीं बटालियन एसडीआरएफ बैंड दल की प्रस्तुति तथा शासकीय विद्यालय मंगेली के विद्यार्थियों के सांस्कृतिक नृत्य ने विशेष आकर्षण जोड़ा। कार्यक्रम में प्रीति बाला सिंह (कमांडेंट), डी.एन. मेहता (डिवीजनल कमांडर, रीवा संभाग), वीएनएम कमांडर जबलपुर, विष्णु ठाकुर (डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट, जबलपुर), संतोष कुमार शर्मा (डीएसओ, मुख्यालय), विजय केवट, रत्ना कुशवाह (पीसीओ), जितेन्द्र पटेल (सीआई) सहित ग्राम मंगेली के वरिष्ठ नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विभिन्न संस्थानों के स्टाफ व प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। समारोह का समापन राष्ट्रगान एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ग्राम गधेरी में शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

महाशिवरात्रि पूर्व सात दिवसीय धार्मिक आयोजन हवन-पूजन व विशाल भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

जबलपुर। ग्राम गधेरी में महाशिवरात्रि के पावन पर्व के पूर्व भगवान भोलेनाथ के शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह सात दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम 1 फरवरी से शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हुआ, जिसमें विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई।

कार्यक्रम संयोजक रामकुमार यादव (बड्डा) ने बताया कि ग्रामवासियों के सहयोग एवं क्षेत्रीयजनों के मार्गदर्शन से लगभग 10 वर्षों से निर्माणाधीन शिव मंदिर को विभिन्न कारीगरों द्वारा भव्य स्वरूप दिया गया है। यह आयोजन पंडित गंगाधर पांडे (प्रयागराज) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान प्रतिदिन रामलीला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। भगवान भोलेनाथ की बारात के अवसर पर ग्राम गधेरी में शोभायात्रा निकाली गई, जिसका ग्रामवासियों द्वारा स्वागत किया गया। बारात का स्वागत चंद्रपाल यादव (चंदू), राजेश यादव एवं उनके परिवार द्वारा किया गया।बारात कार्यक्रम में जगदीश यादव (अध्यक्ष, म.प्र. यादव महासभा), राजेंद्र यादव (पूर्व अध्यक्ष, सहकारी बैंक), संजय पटेल (पूर्व जनपद अध्यक्ष), रजनी यादव (पूर्व जनपद अध्यक्ष) सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतिम दिन 07 फरवरी को हवन-पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें कैंट विधायक अशोक रोहाणी, संतोष बरकड़े, तुलाराम यादव (जनपद अध्यक्ष, तेंदूखेड़ा), पूर्व विधायक संजय यादव, प्रदीप पटेल (अध्यक्ष, नगर पालिका पनागर), विजय यादव (संभाग अध्यक्ष, यादव महासभा), पार्षद राजेश यादव, ऋषि यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दरिद्र-नारायण सेवा ही ईश्वर की सच्ची भक्तिः स्वामी अशोकानंद महाराज

भक्ति धाम स्वास्थ्य शिविर में 1200 से अधिक मरीज लाभान्वित

जबलपुर। "पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है, दरिद्र-नारायण की सेवा करने से भगवान आशीर्वाद के साथ ही सेवा करने वाले को सुफल प्राप्त होता है। सामाजिक जीवन में स्व के उत्थान के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। महिला मंडल घर परिवार समाज के साथ ही निर्बल को आत्म निर्भर बनाने और दुःख दर्द दूर करने का निरंतर प्रयास करता है।" उक्त उद्गार सिंधु जागृति महिला सेवा समिति, मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन जबलपुर के तत्वावधान में भक्ति धाम में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में स्वामी अशोकानंद महाराज ने व्यक्त किए। स्वास्थ्य शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष नेमा, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. अजय वाधवानी, दंत रोग विशेषज्ञ सौरभ बिलवानी, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. श्रीकान्त साहू, डॉ. मथुरा कोचर, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. गौरव कोचर एवं सहयोगी स्टाफ के सहयोग से 510 मरीजों को आंख, दांत और शारीरिक व्याधियां दूर करने में सफल रहा। स्वास्थ्य शिविर में लीपिड प्रोफाइल, शुगर बीपी, सभी पैथोलॉजी जांचें, दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया।

सिंधु जागृति महिला सेवा समिति की करिश्मा शर्मा, ममता कुकरेजा, सोनम मंध्यानी, काजल भागचंदानी, विमला जगवानी, वीनू मखीजा, भावना आहूजा, सपना कंधारी, रंजना तिवारी, सहित भक्तिधाम सेवा समिति के कार्यकताओं का सहयोग रहा।

जिलहरी घाट में आयोजित किया अधिवक्ता मिलन समारोह

जबलपुर। शनिवार को दोपहर 12 बजे से सायं 5 बजे तक श्याम दास महाराज आश्रम नर्मदा तट, जिलहरी घाट में आयोजक एड. राहुल श्रीवास्तव एवं अधिवक्ता मित्र मंडली द्वारा अधिवक्ता मिलन समारोह एवं सुरुचिभोज आयोजित किया गया। इस अवसर पर डिस्ट्रिक बार अध्यक्ष मनीष मिश्रा, सचिव ज्ञान त्रिपाठी, रविन्द्र दत्त, मनीष तिवारी, अंजू सिंह, राघवेन्द्र कुमार झा, दीपक पचौरी, पवन दुबे, शैलेन्द्र यादव, राहुल श्रीवास्तव, सहित समस्त अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

शैल्बी अस्पताल ने पुलिस परिवारों के लिए सम्मान समारोह व निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया

250 से अधिक पुलिस अधिकारी-जवान परिवार सहित हुए शामिल, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिया निःशुल्क परामर्श

जबलपुर। शैल्बी मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल, जबलपुर द्वारा पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य, सम्मान एवं कल्याण को समर्पित एक गरिमामय सम्मान समारोह एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, प्रशासनिक प्रतिनिधियों तथा शैल्बी अस्पताल प्रबंधन की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज की सुरक्षा में सतत एवं निःस्वार्थ योगदान देने वाले पुलिस बल के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि निरंतर ड्यूटी, मानसिक तनाव एवं अनियमित दिनचर्या के कारण पुलिस कर्मियों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, ऐसे में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर अत्यंत आवश्यक हैं। शिविर में हड्डी रोग, हृदय रोग, कैंसर, न्यूरो, गैस्ट्रो एवं चेस्ट रोग विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया गया। साथ ही ईसीजी, पीएफटी, बीएमडी, ब्लड शुगर सहित लगभग ₹4500 तक की जांचें निःशुल्क की गईं। कार्यक्रम में आईपीएस आयुष गुप्ता, एडिशनल एसपी (क्राइम) सूर्यकांत शर्मा, एडिशनल एसपी (ट्रैफिक) अंजना तिवारी, समस्त सीएसपी, थाना प्रभारी, एसआई, एएसआई, कांस्टेबल एवं उनके परिवारजन सहित 250 से अधिक लोग उपस्थित रहे। उत्कृष्ट सेवाओं के लिए चयनित पुलिस कर्मियों का मंच से सम्मान भी किया गया। शैल्बी अस्पताल प्रबंधन ने इस अवसर पर कहा — "जो देश की सेवा में हैं, शैल्बी उनकी सेवा में है।" कार्यक्रम की सफलता में संस्था प्रमुख डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डिप्टी सीएओ अंकित जैन एवं समस्त प्रबंधन टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में अस्पताल परिवार द्वारा सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

धान खरीदी व भुगतान को लेकर किसानों का धरना पाँचवें दिन भी जारी

मझौली। तहसील कार्यालय के सामने धान खरीदी में गड़बड़ी एवं किसानों को समय पर भुगतान न मिलने के विरोध में किसान संघ मझौली द्वारा किया जा रहा धरना-प्रदर्शन लगातार पाँचवें दिन भी जारी रहा। यह धरना मंगलवार दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ है। किसान संघ मझौली के तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल ने बताया कि वर्ष 2025-26 में कृताकार सेवा सहकारी समिति केंद्र क्रमांक 50333262 सहित विभिन्न उपार्जन केंद्रों पर धान समर्थन मूल्य पर खरीदी गई फसल का अब तक भुगतान नहीं किया गया है। साथ ही पिपरिया स्थित केजी वेयरहाउस में स्लांट बुक के माध्यम से जमा की गई धान का पोर्टल बंद होने से कई किसानों की उपज दर्ज नहीं हो सकी, जिसकी वापसी की मांग की जा रही है। किसानों की प्रमुख मांगों में सभी उपार्जन केंद्रों का लंबित भुगतान, वर्ष 2019-20 एवं 2022-23 का बकाया भुगतान, मूंग एवं धान की शेष राशि का भुगतान, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई, किसान फार्मर आईडी में सुधार, पर्याप्त यूरिया उपलब्ध कराना तथा भाजपा सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान एवं 2700 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं लागू करने की मांग शामिल है। किसान संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल एवं रंजीत पटेल ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो 9 फरवरी को मझौली की मुख्य सड़कों पर ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ उग्र प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी ने किसानों से मुलाकात कर जांच का आश्वासन दिया, वहीं विधायक अजय विश्नोई ने पक्के प्रमाण वाले किसानों का भुगतान कराने का भरोसा दिलाया। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक लिखित एवं समयबद्ध आश्वासन नहीं मिलता, धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा।

जीर्णोद्धार के बाद आज़ाद बाग जनता को समर्पित

गरिमामय समारोह में हुआ लोकार्पण

जबलपुर। मुस्लिम बहुल डॉ. ज़ाकिर हुसैन वार्ड स्थित आजाद बाग जीर्णोद्धार के बाद जनता को समर्पित कर दिया गया। क्षेत्रीय पार्षद मुकीमा याक़ूब अंसारी के अथक प्रयासों के बाद नगर निगम और विधायक लखन घनघोरिया के सहयोग से बाग में मनोरंजन के सभी साधन उपलब्ध कराए गए हैं। शुक्रवार को महापौर जगत बहादुर सिंह के मुख्य आतिथ्य व विधायक लखन घनघोरिया की अध्यक्षता में लोकार्पण किया गया। जेडीए के पूर्व उपाध्यक्ष कदीर सोनी और नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा बतौर विशेष अतिथि मौजूद रहे। पार्षद वकील अंसारी, गुलाम हुसैन, अयोध्या तिवारी, अख्तर अंसारी, गुड्डू नबी, कलीम खान, सरदार हाजी अब्दुल हकीम बाबा और सरदार अयाज राईन सहित कई गणमान्य लोगों ने लोकार्पण समारोह की शोभा बढ़ाई। भारी जन समूह की मौजूदगी में उत्सव के माहौल में आजाद बाग जनता को समर्पित हुआ। इस अवसर पर पार्षद मुकीमा याक़ूब अंसारी ने नगर निगम और सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

श्रीमती कल्पना टंडन- होम साइंस कॉलेज रोड नेपियर टाउन निवासी श्री हरदीप सिंह टंडन की धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना टंडन (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अवतार कौर कालरा- राधा स्वामी सत्संग भवन के पास गुप्तेश्वर निवासी श्री सरदूल सिंह कालरा की धर्मपत्नी श्रीमती अवतार कौर कालरा (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री आदर्श विक्रम- एसकेआर रेसीडेंसी तिलहरी निवासी श्री जीतेंद्र सिंह के पुत्र श्री आदर्श विक्रम (19) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा जैन- हनुमानताल जैन मंदिर के पास निवासी श्री संतोष जैन की धर्मपत्नी श्रीमती आशा जैन (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती साधना राजपूत- मदर टेरेसा नगर कटंगी रोड निवासी श्री इंद्र बहादुर राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती साधना राजपूत (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अनिल शर्मा- गोरखपुर सनातन धर्म मंदिर के पास निवासी श्री अनिल शर्मा (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती गल्लो बाई छपेल- सेठ गोविंददास वार्ड लालमाटी निवासी श्री गया प्रसाद छपेल की धर्मपत्नी श्रीमती गल्लो बाई छपेल (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नारायण सरकार- संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री नारायण सरकार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चंद्रशेखर महार- भानतलैया खेरमाई मंदिर के पास निवासी श्री चंद्रशेखर महार (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शिवकुमारी- ग्राम अगरिया निवासी श्री रोहणी प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती शिवकुमारी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आनंद बनौदा- छोटी ओमती निवासी श्री आनंद बनोदा (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सिद्धार्थ श्रीवास्तव- आनंद नगर अधारताल निवासी श्री सिद्धार्थ श्रीवास्तव (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्याम लाल कोरी- वल्दी कोरी की दफाई आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री श्याम लाल कोरी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रकाश कुमार दुबे- अनंततारा तिलहरी निवासी श्री प्रकाश कुमार दुबे (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दुर्गा प्रसाद कुरील- मोदीबाड़ा सदर निवासी श्री दुर्गा प्रसाद कुरील (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री हिमांशु श्रीवास्तव- कृष्णा हाईट्स गौरीघाट रोड निवासी श्री श्री हिमांशु श्रीवास्तव (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303108291, 9407362160

सिहोरा विधायक ने बेटी आकृति के स्वस्थ होने पर जताई खुशी

हरिभूमि **जबलपुर।** सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े ने आज ग्राम गधेरी पहुंचकर काशी यादव की बिटिया आकृति यादव से मिलकर उसके स्वास्थ्य के बारे में जाना। उल्लेखनीय है कि विगत माह राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की पहल पर नारायणा हॉस्पिटल मुंबई में उसका हृदय का सफल ऑपरेशन संपन्न हुआ।श्री बरकड़े ने बेटी आकृति के पूर्णतः स्वस्थ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं बिटिया आकृति की मुस्कान ने निश्चित रूप से उसके जीवन में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम की पहल की सराहना करते हुए जबलपुर की टीम का आभार भी व्यक्त किया। विधायक श्री बरकड़े ने आकृति के परिवार के साथ बातचीत की और उनके स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर आकृति के परिवार ने विधायक श्री बरकड़े को धन्यवाद दिया और उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, KOVVURI PUSPAVATHI W/O LATE K CHENNA REDDY R/O VILL- KUPPAGUTTAPALLI, PO- SURABHI, TEH-CHAKRAYAPETA, DISTT- CUDDAPAH (ANDHRA PRADESH-516259) I, have changed of my name and date of birth from name KOVVURU PUSHPAVATHI and date of birth 01/07/1967 (Name and date of birth as per my SON, ARMY NO. 15735992Y RANK SIGMN NAME- KOVVURU VISHNUVARADHAN REDDY of unit SIGNAL RECORDS, JABALPUR Army service records) to name KOVVURI PUSPAVATHI and date of birth 01/01/1975 (name and date of birth as per my Aadhaar Card No. 3765 7961 8157) vide affidavit dated 05/02/2026 formerly before Public Notary MP HIGH COURT, JABALPUR
CORRECT NAME
KOVVURI PUSPAVATHI
INCORRECT NAME
KOVVURU PUSHPAVATHI
CORRECT DATE OF BIRTH
01/01/1975
INCORRECT DATE OF BIRTH
01/07/1967

CHANGE OF DATE OF BIRTH
I, ARMY NO. 17008029W RANK SEP NAME GOURAB MAITY S/O GURUPADA MAITY OF UNIT MAG NO. 8, C/O 506 ABW AADHAR CARD No. 2024 1588 6831 I, have changed date of birth of my MOTHER (GOURI MAITY) from 30/12/1960 (date of birth as per my Army service records) to 11/03/1965 (date of birth as per my MOTHER, AADHAR CARD NO. 4106 7380 5346 vide affidavit dated 06/02/2026 formerly before Public Notary, JABALPUR (MP)
CORRECT DATE OF BIRTH
11/03/1965
INCORRECT DATE OF BIRTH
30/12/1960

CHANGE OF DATE OF BIRTH
I, ARMY NO. 17008029W RANK SEP NAME GOURAB MAITY S/O GURUPADA MAITY OF UNIT MAG NO. 8, C/O 506 ABW AADHAR CARD No. 2024 1588 6831 I, have changed date of birth of my FATHER, (GURUPADA MAITY) from 31/12/1959 (date of birth as per my Army service records) to 13/03/1951 (date of birth as per my FATHER, AADHAR CARD NO. 6023 6291 9339 vide affidavit dated 06/02/2026 formerly before Public Notary, JABALPUR (MP)
CORRECT DATE OF BIRTH
13/03/1951
INCORRECT DATE OF BIRTH
31/12/1959

CHANGE OF NAME
I, RAJALEKSHMI B W/O MADHAVAN PILLAI R/O VILL- THEKKEKARA, PO- KURATHIKAD, TEH MAVELIKARA, DISTT ALAPPUZHA (KERALA) -690107 I, have changed of my name from RAJA LEKSHMI (Name as per my SON, ARMY NO. 15713838A RANK HAV NAME-ANUMON M of unit 1TTR, 1STC, JABALPUR Army service records) to RAJALEKSHMI B (name as per my Aadhaar Card No. 8504 9388 6139) vide affidavit dated 06/02/2026 formerly before Public Notary MP HIGH COURT JABALPUR
CORRECT NAME-RAJALEKSHMI B
INCORRECT NAME-RAJA LEKSHMI

पाक और चीन को बड़ा झटका, नक्शा देख जल-भुन जाएंगे जिनपिंग-मुनीर

पीओके-अक्साई चिन को अमेरिका ने भी माना भारत का हिस्सा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत-अमेरिका के बीच हुए ट्रेड डील के साथ ही अमेरिकी अधिकारी ने एक ऐसा नक्शा जारी किया है, जिसने पाकिस्तान और चीन दोनों को एक साथ झटका दे दिया है। इस नक्शे में जम्मू-कश्मीर के पूरे क्षेत्र को भारत का अभिन्न हिस्सा दिखाया है। इसमें पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) और लद्दाख का अक्साई चिन भी शामिल है। इसे भारत की लंबे समय से चली आ रही स्थिति पर अमेरिका की स्पष्ट मुहर के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका के ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के दायरे को समझाने के लिए यह नक्शा जारी किया है। इस पोस्ट में जम्मू-कश्मीर, अक्साई चिन, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश को भारत की क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर दर्शाया गया है। खास बात यह है कि यह नक्शा किसी अनौपचारिक पोस्ट का हिस्सा नहीं, बल्कि भारत-अमेरिका व्यापार ढांचे से जुड़े आधिकारिक बयान के साथ साझा किया गया। सोशल मीडिया पर व्यापार समझौते को रेखांकित करते हुए यूएसटीआर ने कहा कि यह समझौता अमेरिकी उत्पादों के लिए भारत में नए बाजार खोलेगा। इस पोस्ट के साथ जो नक्शा साझा किया गया, उसमें भारत की संप्रभुता को लेकर कोई अस्पष्टता नहीं छोड़ी गई।

भारत की पूर्ण क्षेत्रीय अखंडता को मान्यता देने वाला कदम

यह नक्शा अमेरिका की ओर से पहली बार इतने स्पष्ट रूप से भारत की पूर्ण क्षेत्रीय अखंडता को मान्यता देने वाला कदम माना जा रहा है। खासकर ऐसे समय में जब भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौता हो रहा है और टैरिफ में कटौती हो रही है। यह घटना भारत के लिए कूटनीतिक जीत की तरह देखी जा रही है।

चीन, पाक की 'कूटनीतिक हार'

भारत लंबे समय से कहता आ रहा है कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख (जिसमें अक्साई चिन शामिल है) और अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग हैं। 5 अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने के बाद भी भारत की यह स्थिति अटल रही है। अब अमेरिका के आधिकारिक यूएसटीआर नक्शे में पीओके और अक्साई चिन को भारत का हिस्सा दिखाना चीन और पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका है।

अमेरिका ने ट्रेड डील के बाद शेयर किया इंडियन मैप

पाक को करारा तमाचा

पाकिस्तान ने 2020 में अपना नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था, जिसमें पीओके, लद्दाख के कुछ हिस्से, जूनागढ़, मनावदार और सर क्रीक को अपना बताया था। भारत ने इसे 'राजनीतिक मूर्खता' करार देते हुए खारिज कर दिया था। अब यूएसटीआर का नक्शा पाकिस्तान के दावों को पूरी तरह नकारता है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के लिए यह और भी शर्मिंदगी वाली बात है, क्योंकि पाकिस्तान का लंबे समय से सहयोगी रहा अमेरिका अब भारत की सीमाओं को मान्यता दे रहा है।

जिनपिंग को ट्रंप का जवाब

वहीं चीन की तरफ से भी यही स्थिति है। अगस्त 2023 में चीन ने अपना 'स्टैंडर्ड मैप' जारी किया था, जिसमें अरुणाचल प्रदेश को 'दक्षिण तिब्बत' और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बताया गया था। भारत ने इसे तुरंत खारिज करते हुए कहा था कि ऐसे नक्शे से हकीकत नहीं बदलती. अब अमेरिका का यूएसटीआर नक्शा चीन के दावों को सीधे चुनौती देता है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए यह कूटनीतिक झटका है।

पीओके, अक्साई चीन का विवाद

भारत और पाकिस्तान के बीच पीओके विवाद 1947 से जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से जुड़ा सबसे पुराना विवाद है। अक्साई चिन विवाद भी भारत और चीन के बीच सबसे पुराने सीमा विवादों में से एक है। यह क्षेत्र लद्दाख के पूर्वोत्तर हिस्से में स्थित एक ऊंचा, बंजर और ठंडा रेगिस्तानी इलाका है, जो लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसे 1962 युद्ध के दौरान चीन ने इस पर कब्जा किया था। भारत इसे अवैध कब्जा मानता है।

खबर संक्षेप

योगी सरकार में ब्राह्मण समुदाय त्रस्त : मायावती

लखनऊ। बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोला है। मायावती ने शनिवार को कहा कि बीजेपी सरकार में कुछ मुट्ठी भर लोगों को छोड़कर समाज के सभी वर्गों के लोग त्रस्त हैं लेकिन उनमें खासकर ब्राह्मण समाज उपेक्षा और असम्मान के विरुद्ध काफी मुखर है। आगामी विधानसभा के आमचुनाव के संबंध में गहन विचार-विमर्श किया।

बाइकर केस : सब-कॉन्ट्रैक्टर गिरफ्तार, 3 इंजीनियरों पर भी केस

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी में मोटरसाइकिल सवार की मौत के मामले में एफआईआर में कहा गया है कि साइट पर कोई वॉर्निंग साइन, बैरिकेड या लाइटिंग नहीं थी। कोई गार्ड तैनात भी नहीं किया गया था। एफआईआर में कहा गया है कि गड्ढे को बिना किसी सुरक्षा उपाय के खुला छोड़ दिया गया था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने इस सिलसिले में कंस्ट्रक्शन साइट के एक सब-कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को कहा कि सरकार ने इस मामले में लापरवाही के आरोप में तीन इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया है और उन पर लापरवाही का केस भी दर्ज किया गया है।

यौन शोषण : डॉक्टर को 24 साल जेल की सजा

लंदन। ब्रिटेन में बच्चों के यौन शोषण के एक गंभीर मामले में 76 साल के रिटायर्ड वेटनरी डॉक्टर जॉन रुबेन को 23 साल 10 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। आरोपी ने समर कैंप में बच्चों को दी जाने वाली कैंडी में नशीली दवाएं मिलाकर उनका यौन शोषण किया। यह मामला पिछले साल जुलाई का है, जब इंग्लैंड के एक समर कैंप से जुड़े 8 से 11 साल के 8 बच्चों और एक वयस्क को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। जांच के बाद पुलिस ने रुबेन को गिरफ्तार किया था। जॉन रुबेन ने नवंबर में कोर्ट में 17 मामलों में दोष स्वीकार किया था। इनमें 13 साल से कम उम्र के दो बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न और 8 बच्चों के साथ क्रूरता के आरोप शामिल हैं।

कुआलालंपुर में प्रधानमंत्री मोदी ने किया ऐलान

मलेशिया में खुलेगा नया कॉन्सुलेट यहां बड़ा निवेश भी करेगा भारत

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

2,500 भारतीय प्रवासियों के कार्यक्रम को किया संबोधित

मलेशिया में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इंडियन ओरिजिन कम्युनिटी

मलेशिया के प्रधानमंत्री इब्राहिम ने कहा, भारत से दोस्ती पर गर्व

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ शनिवार को कुआलालंपुर में भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का यूपीआई शीघ्र ही मलेशिया में आएगा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने नए कॉन्सुलेट खोलने के बाद करते हुए भारत और मलेशिया के बीच संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी अपनी 2026 की पहली विदेश यात्रा पर मलेशिया पहुंचे, जहां उनका स्वागत बेहद खास रहा।

खुद मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एयरपोर्ट पहुंचकर उनकी अगवानी की, जो दोनों देशों के बीच बढ़ती दोस्ती का बड़ा संकेत है। कुआलालंपुर में करीब 2,500 भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मलेशिया में भारत के लिए जो प्यार और सम्मान दिखा है, उसे देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने बताया कि पिछले साल आसियान समिट में न आ पाने का वादा उन्होंने आज पूरा कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया की यह तीसरी यात्रा है और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिए जाने के बाद उनकी यह पहली यात्रा है।

भारत-मलेशिया को जोड़ने वाली कई चीजें

पीएम मोदी ने कहा कि मलेशिया में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इंडियन ओरिजिन कम्युनिटी है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो इंडियन और मलेशियाई दिलों को जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि आप वो जीता-जागता पुल हैं जो हमें जोड़ता है। आपने रोटी कैनाई को मालाबार परोट्टा से जोड़ा है। नारियल, मसाले स्वाद बहुत जाने-पहचाने लगते हैं, चाहे वो कुआलालंपुर हो या कोच्चि. हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का अद्भुत प्रदर्शन

कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। इन नर्तकों ने भरतनाट्यम, कथक, कथकली, कुचिपुड़ी, लावणी और ओडिसी समेत भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया। मोदी और इब्राहिम एक ही कार में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। मोदी 'भारत माता की जय' और 'मोदी, मोदी' के नारों के बीच मंच पर पहुंचे। यह घोषणा की गई कि भारतीय नृत्य प्रदर्शन में सबसे अधिक कलाकारों के भाग लेने के लिए इस नृत्य प्रदर्शन ने मलेशियाई रिकॉर्ड पुस्तिका में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

भारत 'विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार'

मोदी ने विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा किए गए व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को 'विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार' के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हुए हैं और विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है।

भारत हमारा पुराना व प्रमुख व्यापारिक सहयोगी : इब्राहिम

इब्राहिम ने कहा, 'भारत, मलेशिया के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक है। हमारे बीच न केवल वस्तुओं का आदान-प्रदान होता है, बल्कि 2025 में 15 लाख से अधिक भारतीय पर्यटक मलेशिया आए थे।' उन्होंने कहा, 'मुझे मोदी जी और भारत का मित्र होने पर गर्व है।' इब्राहिम ने इस मौके पर कहा, 'भारत से एक अच्छे मित्र के मलेशिया में हमारे साथ शामिल होने से मैं व्यक्तिगत रूप से उत्साहित हूं।' उन्होंने दोनों देशों के बीच प्राचीन संबंधों को याद किया।

शरद पवार के भतीजे एनसीपी नेता रोहित ने कहा

'अजीत की मौत को लेकर संदेह, 10 को दूंगा प्रेजेंटेशन'

एजेंसी ▶▶| मुंबई

एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में हुई मौत की परिस्थितियों को लेकर सभी के मन में सवाल और संदेह हैं।

उन्होंने कहा कि वह 10 फरवरी को मुंबई में इस मामले पर एक डिटेल प्रेजेंटेशन देंगे और बताएंगे कि हादसा क्यों हुआ और कैसे हुआ होगा। रोहित पवार ने यह बात बारामती में जिला परिषद चुनाव में वोट डालने के बाद पत्रकारों से कही। अहिल्यानगर जिले की करजात-जामखेड़ सीट से विधायक रोहित पवार ने कहा कि वह यह भी बताएंगे कि पार्टी विलय की योजना क्यों बनाई गई थी और इसके पीछे असली मंशा क्या थी। उन्होंने कहा कि वह समझाएंगे कि अजित दादा की सोच राजनीतिक थी या भावनात्मक। बता दें 28 जनवरी को बारामती में विमान हादसे में अजित पवार की मौत हो गई थी।

संजय राउत ने भी उठाए सवाल

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि रोहित पवार के अलावा एनसीपी विधायक और अजित पवार के करीबी अमोल मिटकरी, एनसीपी मंत्री छगन भुजबल और एनसीपी (एसपी) सांसद बजरंग सोनवणे ने भी इस दुखद घटना पर संदेह जताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संदेह दूर करने के बजाय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कह रहे हैं कि इस मुद्दे पर राजनीति न हो।

पार्टी एकता की कोशिश रहेगी जारी

पत्राकारों से रूबरू रोहित ने कहा कि अजित दादा चाहते थे कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग-अलग गुट एक हो जाएं और विलय की कोशिशें आगे भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि अजित दादा दिल से चाहते थे कि सभी एक परिवार की तरह साथ आएं और आज सभी साथ आए हैं। परिवार अब भी एकजुट है और आगे भी उसी तरह प्रयास जारी रहेंगे। बता दें, शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) और एनसीपी ने जिला परिषद चुनाव के लिए हाथ मिलाया है। दोनों दलों के उम्मीदवार एनसीपी के 'घड़ी' चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रहे हैं।

चांदी की कीमतें धड़ाम... 7 दिन में 1.90 लाख रुपए हुई सस्ती

भोपाल

वैश्विक तनाव में थोड़ी नरमी के संकेतों का असर

घरेलू बाजार चांदी 2.51 लाख रुपए पर किलो के स्तर पर

चांदी की कीमतें धड़ाम हो गई है , सात दिन में चांदी की कीमत आधी हो गई । मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर 29 जनवरी को चांदी ने 4,20,000 रुपए का ऐतिहासिक आंकड़ा छुआ था, लेकिन उसके अगले ही दिन चांदी की कीमतों में गिरावट आई और लगातार तीन दिन तक कमी देखी गई।

हालांकि कारोबारी सत्र के दो दिनों में चांदी में तेजी आई, लेकिन 5 फरवरी से चांदी में फिर गिरावट आने लगी, जो अभी भी जारी है। गौरतलब है कि सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन भारी मुनाफावसूली दिखी। वैश्विक तनाव में थोड़ी नरमी के संकेतों के बीच घरेलू सर्राफा बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। चांदी की कीमतें 13,000 रुपए तक लुढ़क गईं, जबकि सोना भी अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गया। हालांकि भारतीय बाजार बंद होने दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव और रिकवरी का दौर देखा गया।

चांदी की कीमतों में 4.85 फीसदी की भारी गिरावट आई। सराफा बाजार में चांदी की कीमत 2,51,000 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गई। इससे पहले गुरुवार को यह 2,68,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सोने की चमक भी फीकी पड़ी है। 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 3,400 रुपए या 2.12 फीसदी की गिरावट के साथ 1,58000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। कारोबारियों का कहना है कि घरेलू कीमतों में यह गिरावट मुख्य रूप से ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली के कारण आई है। इस अस्थिरता के पीछे अमेरिका और ईरान के बीच ओमान में चल रही बातचीत और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर अनिश्चितता है। कमजोर अमेरिकी जॉब्स डेटा ने कीमती धातुओं को सहारा दिया है, लेकिन अमेरिका-ईरान वार्ता में किसी सफलता की उम्मीद ने कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी को सीमित कर दिया है। उन्होंने कहा कि ओमान में चल रही बैठक और अमेरिकी मौद्रिक नीति की भावी दिशा के कारण बुलियन कॉम्प्लेक्स में भारी अस्थिरता जारी है। आनंद सोनी ने कहाकि चांदी पहले से कहीं सस्ती हो चुकी है और इससे जुड़े निवेशक, ज्वैलर्स और होलसेल मार्केट में बैठे लोग बेहद सतर्क नजर आ रहे हैं। अगर गिरावट जारी रहती है, तो यह ट्रेडिंग और ज्वेलरी खरीदारी दोनों को प्रभावित कर सकती है।

'सिंदूर' पर जैश का फिर बड़ा कबूलनामा मुनीर ने दिया था 'गजवा-ए-हिंद' का नारा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के टॉप आतंकी ने भारत द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा कबूलनामा किया है। आतंकी इलियास कश्मीरी ने पाकिस्तानी सेना के चीफ आसिम मुनीर को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उसने कहा है कि पाकिस्तानी सेना के चीफ ने आतंकियों से कहा था कि 'ये गजवा ए हिंद है।'

मिली जानकारी के अनुसार, पीओके के रावलकोट में 5 फरवरी को आतंकी संगठन जैश के टॉप कमांडर इलियास कश्मीरी ने जैश के आतंकियों के बीच खुलासा करते हुए कहा कि हमारे सिपहसालार ने युद्ध का ऐलान करते हुए कहा था 'कि ये युद्ध गजवा ए हिंद है।' इलियास कश्मीरी ने कहा कि जब जंग छिड़ गई, असलहा निकल आया और फाइट जेट टकरा गए, टैंक आमने-सामने खड़े हो गए तब सिपहसालार ने ऐलान कर दिया कि 'ये गजावत उल हिंद है। ये बुनयान अल मरसूस है।'

जैश कमांडर इलियास कश्मीरी ने कहा

ऑपरेशन सिंदूर ने दिया बड़ा झटका

आपको बता दें कि भारत द्वारा 7 मई को किए गए ऑपरेशन सिंदूर में जैश आतंकी मौलाना मसूद अजहर का परिवार बहावलपुर में मारा गया था। उस दौरान इलियास कश्मीरी ने ही पाकिस्तान में सबसे पहले इस खबर का खुलासा किया था।

ट्रेंड आतंकवादियों के सामने ही कबूलनामा

ये रैली जैश ए मोहम्मद में भर्ती किए गए नए आतंकियों के लिए की गई थी और इलियास कश्मीरी ने आतंकवाद फैलाने वाले इन ट्रेंड आतंकवादियों के सामने ही अपना कबूलनामा किया था। आतंकवादियों के सामने इलियास कश्मीरी ने कहा, हमारा नाम, हमारी पहचान, हमारा मोटो जिहाद (आतंकवाद) है। आतंकी इलियास ने कहा कि जब सरकार हमारे साथ थी, तब भी जिहाद और जब सरकार साथ नहीं थी, तब भी जिहाद, जिहाद ही हमारा असली मकसद है। हम जिहाद करेंगे और कश्मीर को आजाद करवाएंगे।

बीएमसी के लिए महायुति ने किया नाम का ऐलान

मुंबई में रितु होंगी भाजपा की मेयर, शिंदे गुट के संजय डिप्टी मेयर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय जनता पार्टी ने रितु तावड़े को मुंबई महापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। मुंबई मेयर का पद खुली श्रेणी (जातिगत आरक्षण लागू नहीं) में महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है, ऐसे में साफ है कि मुंबई को एक बार फिर महिला महापौर मिलेंगी। इसी कड़ी में मुंबई में पहली बार भाजपा का महापौर बनेगा।

मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने नाम का एलान किया है। वहीं शिंदे गुट के संजय शंकर घाड़ी डिप्टी मेयर बनेंगे। जिसकी घोषणा शिवसेना नेता राहुल शेवाले ने की। 11 फरवरी को मेयर चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा-शिवसेना गठबंधन मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए आवेदन दाखिल किया है।

महायुति की जीत है तय

भाजपा मेयर प्रत्याशी रितु तावड़े घाटकोपर से तीन बार की पार्षद और शिक्षा समिति की पूर्व अध्यक्ष रह चुकी है। जबकि शिवसेना ने मुंबई के वार्ड नंबर 5, मागाठाने के पार्षद संजय शंकर घाड़ी को उप महापौर पद के लिए नामित किया है। बहुमत को देखते हुए महायुति पार्टी के महापौर और उप महापौर पदों के उम्मीदवारों की जीत निश्चित मानी जा रही है।

सवा साल के लिए उप महापौर होंगे घाड़ी

डिप्टी मेयर के पद के लिए शिवसेना ने यह साफ किया है कि घाड़ी उप महापौर पद पर डेढ़ साल तक बने रहेंगे। शिवसेना सचिव संजय मोरे ने एक बयान में कहा है कि घाड़ी 15 महीने तक उप महापौर के रूप में कार्य करेंगे। दरअसल, घाड़ी शिवसेना (यूबीटी) के उन वरिष्ठ पूर्व पार्षदों में से एक थे, जिन्होंने पाला बदलकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे। मुंबई में उप महापौर के कार्यकाल को विभाजित करके शिवसेना अपने चार पार्षदों को अवसर देना चाहती है।

बीएमसी में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी

बता दें कि हाल ही में हुए बृहन्मुंबई नगर निगम के 227 सदस्यीय चुनावों में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं। सत्तारूढ़ गठबंधन, जिसके पास कुल 118 पार्षद हैं, बहुमत के आंकड़े (114) को पार कर चुका है और महापौर पद हासिल करने की अच्छी स्थिति में है। शिवसेना (यूबीटी), जिसने 1997 से 25 वर्षों तक नगर निकाय पर शासन किया, उसने 65 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) ने क्रमशः छह और एक सीट जीती।

50 करोड़ की साइकोट्रोपिक ड्रग्स जब्त 5 राज्यों में फैले ड्रग कार्टेल का पर्दाफाश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए एक इंटरस्टेट ड्रग कार्टेल का खुलासा किया है। इस सिंडिकेट का नेटवर्क दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड तक फैला हुआ था। पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर 48 किलो साइकोट्रोपिक पदार्थ बरामद किए हैं। इनकी कीमत ब्लैक मार्केट में 50 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है।

पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह प्रतिबंधित साइकोट्रोपिक दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की खरीद करता था। इसके बाद बिना किसी मेडिकल प्रिसक्रिप्शन के उनको रीपैकेज कर कई राज्यों में सप्लाई करता था। इस नेटवर्क का खुलासा पिछले साल सितंबर में मिला एक खास इनपुट मिलने के बाद हुआ. पुलिस को सूचना मिली थी कि साइकोट्रोपिक पदार्थों की बड़ी खेप भेजी जा रही है। इसके बाद जांच शुरू की गई। पुलिस ने दिल्ली के लाजपत नगर इलाके से अनिरुद्ध राय को गिरफ्तार किया। उसके पास से करीब 2 किलो पाउडर ट्रामाडोल बरामद किया गया। ट्रामाडोल एक ओपिओइड ड्रग है, जिसे एनडीपीएस एक्ट के तहत बेहद सख्त नियंत्रण में रखा गया है। तकनीकी सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के जरिए पुलिस को एक बड़े सिंडिकेट के सुराग मिले।

503 ग्राम अल्प्राजोलम बरामद

तलाशी में उत्तर प्रदेश से मनोज राय को गिरफ्तार किया गया। उसकी पूछताछ के आधार पर दिल्ली से किशन पाल उर्फ भुल्लर को पकड़ा गया। उसके घर की तलाशी में पुलिस को 503 ग्राम अल्प्राजोलम बरामद हुआ, जो एक प्रतिबंधित एंटी-एंग्जायटी दवा है। इसका दुरुपयोग नशे के तौर पर किया जाता है। आगे की जांच में कृष्ण तंवर को भी गिरफ्तार किया गया। वहीं हरियाणा के मनोज कुमार को सिंघू बॉर्डर के पास पकड़ा गया।

कंपाउंडिंग की ताकत समझें 5,500 की मासिक एसआईपी भी कर देगी लक्ष्य को पूरा

- कंपाउंडिंग में पैसा निवेश और रिटर्न दोनों पर बढ़ता है
- एसआईपी कंपाउंडिंग का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है
- 5,500 की मासिक एसआईपी से 10–12 साल में बनेगा बड़ा फंड
- समय और निरंतरता ही कंपाउंडिंग की असली ताकत

बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में अगर किसी एक सिद्धांत को सबसे ज्यादा ताकतवर माना जाता है, तो वह है कंपाउंडिंग। यही वह जादू है, जो छोटी-छोटी बचत को समय के साथ एक बड़े फंड में बदल देता है। खासतौर पर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कंपाउंडिंग का प्रभाव और भी मजबूत हो जाता है। आज कई लोग यह सोचते हैं कि कम निवेश से बड़ा लक्ष्य कैसे पूरा होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर निवेश में समय, निरंतरता और धैर्य हो, तो 5,500 रुपये जैसी मामूली मासिक राशि भी भविष्य में बड़ा कॉर्पस बना सकती है। कंपाउंडिंग का अर्थ है कि आपका पैसा केवल आपकी लगाई गई राशि पर ही नहीं, बल्कि उस पर मिलने वाले रिटर्न पर भी रिटर्न कमाने लगता है। आसान शब्दों में कहें तो "ब्याज पर ब्याज" मिलता है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से बढ़ता चला जाता है। एसआईपी में यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती है क्योंकि आप हर महीने निवेश करते हैं और आपका पैसा लंबे समय तक बाजार में बना रहता है।

एसआईपी से लक्ष्य तक पहुंचने का उदाहरण

- मान लीजिए आप हर महीने 5,500 की एसआईपी शुरू करते हैं और आपको औसतन 12% सालाना रिटर्न मिलता है (यह केवल अनुमान है, वास्तविक रिटर्न बाजार पर निर्भर करता है)।
- मासिक निवेशः 5,500 रुपये
- सालाना निवेश : 66,000 रुपये
- कुल निवेश (11 साल में) : लगभग 7,26,000 रुपये
- अनुमानित रिटर्न : लगभग 7,24,000 रुपये
- कुल संभावित कॉर्पस : लगभग 14.5 लाख रुपये
- इस उदाहरण से साफ है कि 11 साल में आपका पैसा लगभग दोगुना हो सकता है, वह भी बिना किसी बड़ी एकमुश्त राशि के।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

एसआईपी निवेश को आसान और अनुशासित बनाता है। आपको बाजार के उतार-चढ़ाव की चिंता नहीं करनी पड़ती और निवेश अपने आप नियमित रूप से होता रहता है। समय के साथ, बाजार की गिरावट और तेजी दोनों का फायदा आपको मिलता है, जिसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है। एसआईपी खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, शादी या मेडिकल खर्च के लिए 6–15 साल के वित्तीय लक्ष्य के लिए धीरे-धीरे मजबूत फंड बनाना चाहते हैं।

कंपाउंडिंग की ताकत इन बातों पर निर्भर

कंपाउंडिंग का असर तीन चीजों से तय होता है इसमें समय, निरंतर निवेश, और धैर्य। जितनी जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे और जितने लंबे समय तक निवेश बनाए रखेंगे, कंपाउंडिंग उतनी ही ताकतवर होगी। कंपाउंडिंग यह सिखाती है कि अमीर बनने के लिए बड़ी रकम नहीं, बल्कि समय पर सही शुरुआत जरूरी होती है। 5,500 रुपये की एसआईपी जैसी छोटी शुरुआत भी, अगर लंबे समय तक जारी रखी जाए, तो भविष्य में आपको आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। एसआईपी और कंपाउंडिंग का मेल उन निवेशकों के लिए वरदान है, जो अनुशासन और धैर्य के साथ अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं।

कम पूंजी में बड़ा फंड बनाने को एसआईपी के जरिये करें निवेश

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान से होगी नियमित बचत की आदत विकसित

हर माह तय राशि निवेश करें और बाजार की चिंता किए बिना लंबे समय का प्लान बनाएं

कम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न की संभावना रुपये की लागत औसत के कारण निवेश संतुलित

बिजनेस डेस्क

आज के समय में जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आम बात हो गई है, ऐसे में आम निवेशक के लिए सुरक्षित और अनुशासित निवेश का रास्ता चुनना बेहद जरूरी हो गया है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी इसी जरूरत को पूरा करता है। एसआईपी ने खासतौर पर नए और मध्यम वर्ग के निवेशकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है, क्योंकि इसमें कम रकम से नियमित निवेश कर लंबी अवधि में मजबूत संपत्ति बनाई जा सकती है। एसआईपी के जरिए निवेशक हर महीने या तय समय अंतराल पर म्यूचुअल फंड में एक निश्चित राशि निवेश करता है। यह तरीका न केवल निवेश में अनुशासन लाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता से होने वाले जोखिम को भी काफी हद तक कम करता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ एसआईपी को लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे प्रभावी माध्यम मानते हैं। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि एसआईपी में निवेश कर कैसे आप कम पूंजी में बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक ऐसा तरीका है, जिसमें निवेशक एक निश्चित राशि को नियमित अंतराल जैसे मासिक, तिमाही या साप्ताहिक निवेश करता है। इसमें निवेशक को एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। एसआईपी अपने आप बैंक खाते से तय तारीख को कट जाती है और चुनी गई म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश हो जाती है। एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बाजार की टाइमिंग करने की जरूरत नहीं पड़ती। बाजार ऊपर हो या नीचे, निवेश नियमित रूप से चलता रहता है। जब बाजार गिरता है, तब उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर जाता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। इस प्रक्रिया को रुपया लागत औसत कहा जाता है, जो लंबे समय में निवेश की औसत लागत को संतुलित करता है।

एसआईपी में निवेश क्यों करें

- नियमित और अनुशासित निवेशः एसआईपी निवेश में निरंतरता लाता है और बाजार की टाइमिंग की चिंता खत्म करता है।
- कम रकम से शुरुआतः 500 रुपये जैसी छोटी राशि से भी निवेश संभव, जिससे हर वर्ग के लोग निवेश कर सकते हैं।
- रुपया लागत औसत और चक्रवृद्धि का लाभः बाजार के उतार-चढ़ाव में भी संतुलित रिटर्न और लंबी अवधि में तेज ग्रोथ।
- विविधीकरण और कर लाभः म्यूचुअल फंड के जरिए जोखिम कम और ईएलएसएस के माध्यम से टैक्स में बचत।

कंपाउंडिंग का मिलता है लाभ

इसके अलावा एसआईपी में चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ भी मिलता है। निवेश से मिलने वाला रिटर्न दोबारा निवेश होता है, जिससे समय के साथ रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने लगता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाए और जितनी लंबी अवधि तक एसआईपी जारी रखी जाए, उतना ही अधिक फायदा मिलता है। एसआईपी की खास बात यह भी है कि इसे बहुत छोटी राशि से शुरू किया जा सकता है। आज कई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में 500 या 1,000 रुपये प्रति माह से एसआईपी शुरू की जा सकती है, जिससे यह हर वर्ग के निवेशक के लिए सुलभ बन जाती है।

एसआईपी में निवेश के फायदे

एसआईपी केवल निवेश का तरीका नहीं, बल्कि एक वित्तीय आदत है जो व्यक्ति को भविष्य के लिए तैयार करती है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो जोखिम से बचते हुए धीरे-धीरे संपत्ति बनाना चाहते हैं। एसआईपी निवेशक को अनुशासन सिखाता है। तय तारीख पर निवेश होने से खर्चों पर नियंत्रण रहता है और बचत की आदत मजबूत होती है। इसके अलावा, एसआईपी भावनात्मक फैसलों से भी बचाता है। अक्सर निवेशक बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं और निवेश बंद कर देते हैं, लेकिन एसआईपी में नियमित निवेश से यह डर कम हो जाता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर विविधीकरण का लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के ये भी लाभ

कर बचत की दृष्टि से भी एसआईपी फायदेमंद है। इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में एसआईपी के जरिए निवेश करने पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर में छूट मिलती है। इससे निवेश के साथ-साथ टैक्स प्लानिंग भी हो जाती है। लंबी अवधि में एसआईपी महंगाई को मात देने में मदद करता है। बैंक एफडी या पारंपरिक बचत योजनाओं की तुलना में इक्विटी आधारित एसआईपी अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं, जिससे भविष्य की जरूरतों जैसे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सकता है।

निवेश करना आसान

आज के डिजिटल युग में एसआईपी के जरिये निवेश करना बेहद आसान हो गया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, मोबाइल ऐप और एसआईपी कैलकुलेटर की मदद से निवेशक अपने लक्ष्य के अनुसार निवेश राशि और अवधि तय कर सकता है। एसआईपी कैलकुलेटर संभावित रिटर्न का अनुमान लगाकर निवेश की सही योजना बनाने में मदद करता है। कुल मिलाकर, एसआईपी उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है जो कम जोखिम में, नियमित निवेश के जरिए लंबी अवधि में संपत्ति बनाना चाहते हैं। चाहे आप नौकरीपेशा हों, स्वरोजगार में हों या निवेश की शुरुआत कर रहे हों, एसआईपी हर किसी के लिए एक भरोसेमंद निवेश माध्यम है।

एक साल के लिए निवेश करना है तो ये हो सकते हैं बेहतर विकल्प

बिजनेस डेस्क। जब भी निवेश की बात आती है, ज्यादातर लोग रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लंबे समय के लक्ष्यों पर ध्यान देते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश भी उतना ही जरूरी होता है। इमरजेंसी फंड बनाना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए रकम जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है। केवल लंबी अवधि के निवेश पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। अचानक जरूरत पड़ने पर अगर आपको लॉन्ग-टर्म निवेश तोड़ना पड़े, तो नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में 1 साल तक के शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट विकल्प न सिर्फ पूंजी की सुरक्षा करते हैं, बल्कि सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न भी दे सकते हैं। अधिकांश लोग निवेश को लंबे समय के लक्ष्यों जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इमरजेंसी फंड तैयार करना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह पर रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए राशि जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है।

1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
बैंक एफडी भारत में सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्पों में से एक है। 7 दिन से लेकर 1 साल तक के लिए एफडी करवाएं।
फायदे : पूंजी की सुरक्षा, तय व सुनिश्चित रिटर्न, जोखिम ना के बराबर, सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग ब्याज दरें देते हैं, इसलिए निवेश से पहले तुलना करना जरूरी है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट सुरक्षित विकल्प।

2. सेविंग अकाउंट स्वीप-इन एफडी
यह सुविधा सेविंग अकाउंट और एफडी का मिश्रण है। इसमें तय सीमा से ज्यादा पैसा अपने आप एफडी में चला जाता है।
फायदे: जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से ज्यादा ब्याज ऑटोमैटिक और सुविधाजनक, यह विकल्प उन लोगों के लिए अच्छा है, जिन्हें लिक्विडिटी भी चाहिए और बेहतर रिटर्न भी।

3. रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)
अगर आप एकमुश्त रकम निवेश नहीं करना चाहते, तो आरडी अच्छा विकल्प है। इसमें हर महीने एक तय राशि जमा की जाती है।
फायदे: छोटी रकम से शुरुआत, नियमित बचत की आदत, सुरक्षित और स्थिर रिटर्न सैलरी पाने वाले निवेशकों के लिए यह विकल्प खासतौर पर उपयोगी है।

4. डेट म्यूचुअल फंड
डेट फंड सरकारी बॉन्ड, ट्रेजरी बिल और अच्छी क्वालिटी के कॉरपोरेट बॉन्ड में निवेश करते हैं।
1 साल के लिए उपयुक्त कैटेगरी: शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, मनी मार्केट फंड, लो ड्यूरेशन फंड, इनमें एफडी से थोड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना होती है, हालांकि थोड़ा जोखिम भी रहता है।

5. लिक्विड फंड
लिक्विड फंड बहुत कम अवधि के लिए बनाए गए होते हैं, लेकिन 1 साल तक निवेश के लिए भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं।
फायदे: 1 कार्यदिवस में पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न, कम जोखिम, अतिरिक्त पैसों को पार्क करने के लिए यह बेहतरीन विकल्प है।

6. कॉरपोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट
कई कंपनियां बैंक एफडी से ज्यादा ब्याज पर एफडी ऑफर करती हैं।

ध्यान रखें: कंपनी की क्रेडिट रेटिंग जरूर जांचें, केवल मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों में निवेश करें, ज्यादा रिटर्न के साथ जोखिम भी ज्यादा, जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठा सकते हैं, उनके लिए यह विकल्प उपयुक्त है।

नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीकों से भी बढ़ा सकते हैं कमाई

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी नौकरीपेशा हैं और सिर्फ सैलरी पर ही जीवन काट रहे हैं तो आप अपनी गुजर बसर तो कर लेंगे, लेकिन अच्छा पैसा एकत्र नहीं कर पाएंगे। ऐसे में नौकरी के साथ कुछ छोटा मोटा स्टार्टअप शुरू करें और अपनी पूंजी को बढ़ाएं। पैसा कमाने के कुछ स्मार्ट तरीके भी हो सकते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। एक अच्छी नौकरी जिंदगी को स्थिरता देती है, लेकिन बदलते समय में सिर्फ सैलरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। आज के दौर में एक अच्छी नौकरी मिलना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। नौकरी आपको हर महीने तय इनकम देती है, जिससे घर चलता है, बच्चों की पढ़ाई होती है और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां पूरी होती हैं, लेकिन बदलते समय के साथ सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा भी हो सकता है। कंपनी की स्थिति बदली, बाजार में मंदी आई या आपकी भूमिका खत्म हुई तो पूरी फाइनेंशियल प्लानिंग हिल सकती है। इसलिए अब नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीके से कमाई बढ़ाने की जरूरत है।

नौकरी को बनाएं अपनी सबसे मजबूत नींव

कमाई बढ़ाने का पहला और सबसे मजबूत रास्ता आपकी मौजूदा नौकरी से ही शुरू होता है। अपनी स्किल्स को अपडेट करना, नई जिम्मेदारियां लेना और खुद को कंपनी के लिए ज्यादा वैल्यूएबल बनाना लंबे समय में सैलरी और प्रमोशन दोनों दिला सकता है। हर किसी के पास कोई न कोई टैलेंट होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोग उसे सिर्फ शौक तक सीमित रखते हैं, जबकि कुछ उसे कमाई का जरिया बना लेते हैं। अगर आपके पास समय और एनर्जी है, तो पढ़ाना, कंटेंट लिखना, डिजाइन, ऑनलाइन कंसल्टिंग या डिजिटल काम जैसे साइड प्रोजेक्ट शुरू किए जा सकते हैं। शुरुआत भले ही छोटी हो, लेकिन समय के साथ यही साइड इनकम आपकी बड़ी फाइनेंशियल ताकत बन सकती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इससे आपकी नौकरी पर कोई सीधा दबाव नहीं पड़ता।

कमाई बढ़ाने का साइलेंट हथियार है निवेश

काम करके पैसा कमाना जरूरी है, लेकिन पैसे से पैसा बनाना भी उतना ही अहम है। निवेश वह तरीका है जो बिना शोर किए आपकी संपत्ति को धीरे-धीरे बढ़ाता है। नियमित एसआईपी, लॉन्ग-टर्म फंड्स या सुरक्षित विकल्प आपको भविष्य की बड़ी जरूरतों के लिए तैयार करते हैं। निवेश आपको आज अमीर नहीं बनाता, लेकिन कल के लिए मजबूत बनाता है. जो लोग जल्दी इसकी आदत डालते हैं, वे आगे चलकर ज्यादा तनाव-मुक्त रहते हैं।

इंश्योरेंस कमाई बचाने की ढाल

कमाई बढ़ाने के साथ-साथ उसे सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। हेल्थ इंश्योरेंस अचानक आने वाले मेडिकल खर्चों से बचाता है और लाइफ इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। कई लोग इसे खर्च समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन असल में यह आपकी कमाई की सुरक्षा कवच होता है। सही समय पर लिया गया इंश्योरेंस सालों की मेहनत को एक झटके में खत्म होने से बचा सकता है।

नई स्किल्स से खुलेंगे नए रास्ते

आज का जॉब मार्केट तेजी से बदल रहा है। जो स्किल्स आज काम की हैं, जरूरी नहीं कि कल भी उतनी ही जरूरी रहें। इसलिए लगातार सीखते रहना अब विकल्प नहीं, मजबूरी बन चुका है। नई स्किल्स आपको सिर्फ नई नौकरी ही नहीं, बल्कि साइड इनकम और बेहतर फ्रीलांस मौके भी दिला सकती हैं। जब आपके पास विकल्प होते हैं, तो आप ज्यादा आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस करते हैं।

लाइफस्टाइल और कमाई में संतुलन जरूरी

कमाई बढ़ने के साथ खर्च बढ़ाना स्वाभाविक है, लेकिन अगर सारा पैसा सिर्फ बेहतर लाइफस्टाइल में ही चला जाए, तो भविष्य फिर भी असुरक्षित रहता है। समझदारी इसी में है कि इनकम बढ़ने पर बचत और निवेश भी उसी अनुपात में बढ़ें। इससे आप आज की जिंदगी का मजा भी ले पाएंगे और कल की चिंता भी कम रहेगी।

माता-पिता को सही प्लानिंग करनी होगी, तभी वे बच्चों के सपने पूरे कर पाएंगे

बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाएं

बढ़ती महंगाई के दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए प्लानिंग जरूरी, आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया

योजना
बिजनेस डेस्क

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

तेजी से बढ़ती महंगाई ने आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया है। खासतौर पर बच्चों की शिक्षा, जो कभी एक सामान्य खर्च मानी जाती थी, अब माता-पिता के लिए सबसे बड़ी वित्तीय जिम्मेदारी बन चुकी है। स्कूल से लेकर कॉलेज और फिर उच्च शिक्षा तक, फीस में हो रही बढ़ोतरी सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा है। इंटरनेशनल बोर्ड, विदेश में पढ़ाई, प्रोफेशनल और स्पेशल कोर्स, हॉस्टल और रहने का खर्च ये सभी मिलकर शिक्षा को और महंगा बना रहे हैं। ऐसे समय में अगर माता-पिता अभी से सही प्लानिंग नहीं करते, तो भविष्य में बच्चों के सपनों से समझौता करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते एक ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाई जाए। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि बच्चों की शिक्षा के लिए शुरू से ही कैसे रणनीति बनाएं।

एसआईपी की जल्दी शुरुआत करें

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है जल्दी शुरुआत। जितना जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे, उतना ही ज्यादा आपको कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, शिक्षा फंड बनाने का एक बेहद कारगर तरीका है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और लंबी अवधि में निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है। अगर बच्चे की उम्र कम है, तो आप इक्विटी आधारित फंड में ज्यादा निवेश कर सकते हैं, क्योंकि लंबा समय जोखिम को संतुलित कर देता है।

समय के साथ निवेश में बदलाव

कई माता-पिता बच्चों की शिक्षा के लिए सिर्फ एक ही तरह के निवेश पर निर्भर रहते हैं, जो आगे चलकर जोखिम भरा हो सकता है। सही रणनीति यह है कि समय के हिसाब से निवेश का संतुलन बदला जाए। जब बच्चा छोटा हो, तब इक्विटी फंड में निवेश ज्यादा रखा जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे कॉलेज या उच्च शिक्षा का समय नजदीक आता है, वैसे-वैसे जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। ऐसे समय में डेट फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), सेविंग अकाउंट या शॉर्ट-टर्म इंस्ट्रूमेंट जैसे सुरक्षित विकल्पों में पैसा शिफ्ट करना समझदारी होती है। इससे बाजार गिरने की स्थिति में फीस के समय पैसों की कमी नहीं होगी।

केवल फीस नहीं, पूरे खर्च का रखें ध्यान

अक्सर माता-पिता शिक्षा की प्लानिंग करते समय सिर्फ ट्यूशन या कॉलेज फीस को ही ध्यान में रखते हैं, जबकि असल खर्च इससे कहीं ज्यादा होता है। बच्चों की उच्च शिक्षा से जुड़े कई अतिरिक्त खर्च होते हैं, जैसे : हॉस्टल या रहने का खर्च, किताबें और स्टडी मटीरियल, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य गैजेट्स, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, एप्लिकेशन और एंट्रेंस एग्जाम फीस, इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट से जुड़े खर्च आदि। अगर बच्चा विदेश में पढ़ाई करना चाहता है, तो वहां रहने, वीजा, बीमा और ट्रैवल का खर्च और भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए शिक्षा फंड बनाते समय इन सभी खर्चों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

एजुकेशन लोन को पूरी तरह न नकारें

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

एजुकेशन लोन के लाभ

- रिटायरमेंट फंड को सुरक्षित रखता है
- एकमुश्त निवेश निकालने का दबाव कम करता है
- टैक्स में छूट का लाभ मिल सकता है
- पढ़ाई के बाद बच्चा खुद लोन चुकाने में सक्षम होता है
- हालांकि, लोन लेने से पहले उसकी ब्याज दर, चुकाने की अवधि और भविष्य की आय को जरूर ध्यान में रखें।

लक्ष्य आधारित निवेश योजना बनाएं

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश करते समय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। किस उम्र में, किस देश में और किस कोर्स के लिए पढ़ाई करानी है। जब लक्ष्य साफ होता है, तो सही निवेश विकल्प चुनना आसान हो जाता है। इसके लिए आप एजुकेशन एसआईपी, चाइल्ड फंड, बैलेंस्ड म्यूचुअल फंड, डेट और इक्विटी का मिश्रण जैसे विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं। समय-समय पर अपनी योजना की समीक्षा करना भी जरूरी है, ताकि बदलती जरूरतों के अनुसार निवेश में सुधार किया जा सके।

योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा की योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है। केवल एसआईपी शुरू कर देना ही काफी नहीं है, बल्कि सही समय पर निवेश, जोखिम का संतुलन, अन्य खर्चों की गणना और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन का समझदारी से इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। अगर माता-पिता आज से सही निवेश योजना बनाते हैं, तो आने वाले समय में बच्चों के सपनों को पूरा करने में कोई आर्थिक बाधा नहीं आएगी। सही प्लानिंग न सिर्फ बच्चों का भविष्य सुरक्षित करती है, बल्कि माता-पिता को भी मानसिक शांति देती है।